निजी क्षेत्र के अस्पतालों के लिए बनेगी नीति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि आकांक्षात्मक जिलों व ब्लाकों में निजी क्षेत्र के अस्पतालों के लिए नीति बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की दौड़ में पिछड़े 8 आकांक्षात्मक जनपदों और आकांक्षात्मक 100 विकास खंडों के समग्र विकास का प्रयास अपेक्षित परिणाम देने वाला सिद्ध हो रहा है। इन सभी क्षेत्रों में अच्छी स्वास्थ्य सुविधा सहजता से उपलब्ध हो, इसके लिए राज्य सरकार सभी आवश्यक प्रबंध करने को संकल्पित है। आकांक्षात्मक जिलों और विकास खंडों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए अनेक बड़े संस्थानों ने निवेश की इच्छा प्रकट की है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग इन क्षेत्रों में अस्पतालों के विकास के लिए निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यथाशीघ्र अच्छी नीति तैयार करे नवीन नीति तैयार करते समय निजी क्षेत्र की जरूरतों का ध्यान रखा जाए।

सरकारी अस्पतालों में रिक्त न रहे कोई पद

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों के सभी पदों पर योग्य और कुशल चिकित्सकों की तैनाती होनी चाहिए। कहीं भी कोई पद रिक्त न रहे।अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता के अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में सीधी भर्ती और सामान्य चिकित्सकों के विशेष प्रशिक्षण द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता की जा रही है, किंतु भविष्य के दृष्टिगत अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए।